भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 432
21 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना

432. श्री वीरेन्द्र सिंह:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में मत्स्य उद्योग के विकास तथा मछुआरा समुदाय को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित की जा रही प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत लघु एवं मध्यम मछुआरों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, शीतागार श्रृंखला (कोल्ड चेन) सुविधाएं तथा बाजार तक पहुँच प्रदान करने के लिए कोई विशेष प्रावधान किया गया है और यदि हाँ, तो उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में मत्स्य क्षेत्र से संबंधित कौन सी परियोजनाएं लागू हैं;

(ग) क्या चंदौली जिले में उपलब्ध तालाबों, जलाशयों तथा अन्य जल निकायों का पूर्ण उपयोग किया जा रहा है; और

(घ) यदि नहीं, तो चंदौली जिले में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने तथा मछुआरों की आय दोगुनी करने के लिए सरकार द्वारा कौन-सी कार्ययोजना तैयार की गई है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ): भारत सरकार, मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में मत्स्य उद्योग के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 से आज तक कुल 20,990.79 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (PMMSY) लागू कर रहा है। इसके अलावा, मत्स्यपालन विभाग ने पीएमएमएसवाई (PMMSY) के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न मत्स्य विकास प्रस्तावों को कुल 1294.32 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें केंद्रीय हिस्सा 412.30 करोड़ रुपये है। उत्तर प्रदेश राज्य को वर्ष 2020-21 से 2026-27 तक 336.61 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, चंदौली जिले में पीएमएमएसवाई (PMMSY) के तहत 10 परियोजनाएं लागू की जा रही हैं, जिनमें तालाब निर्माण, रियरिंग यूनिट (पालन इकाई), बायोफ्लॉक, आरएएस (RAS), मध्यम आकार के आरएएस, छोटे आरएएस, बैकयार्ड आरएएस, आइस बॉक्स के साथ साइकिल, आइस बॉक्स के साथ मोटर साइकिल और लाइव फिश सेल सेंटर (जीवित मछली बिक्री केंद्र) शामिल हैं, जिससे 229 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, चंदौली जिले में 427.15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले 447 ग्राम सभा तालाब हैं। इनमें से 417.24 हेक्टेयर क्षेत्र वाले 421 तालाब पट्टे (लीज़) पर दिए जा चुके हैं और वर्तमान में इनका उपयोग जलकृषि (एक्वाकल्चर) गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। जिले में 8 जलाशय भी हैं, जिनमें से 5 जलाशयों में मत्स्यपालन संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

****